अध्याय चतुर्थ :–आकड़ो का विवरण विश्लेषण एवं सांख्यिकी का प्रयोग

1. प्रस्तावना
2. आकड़ो का विवरण एवं सांख्यिकी प्रयोग
3. शोध का परिणाम एवं
4. शोध निष्कर्ष

अध्याय चतुर्थ :–आकड़ो का विवरण विश्लेषण एवं सांख्यिकी का प्रयोग।

4.1 प्रस्तावना :–

संख्यात्मक आकड़ो का एकत्रीकरण, संगठित, विश्लेषण, एवं व्याख्या करने हेतु सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया जाता है। मापन एवं मूल्यांकन के लिए संख्यिकी को मुख्य साधन माना जाता है। विभिन्न व्यक्तिगत निरीक्षण द्वारा समूह व्यवहार अथवा समूह गुण धर्मो का स्पष्टीकरण करके उनका समान्यीकरण संख्यिकी द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध हेतु सहसंबंध कार्ल पिर्यसन गुणांक विधि का प्रयोग किया है। संबंध दो चरों के मध्य अन्तर देखने हेतु टी. टेस्ट, (क्रातिंक अनुपात) मध्यमान की मानक विचलन त्रुटी,सहसंबंध की सार्थकता ज्ञात करने हेतु उपयुक्त सूत्रों का उपयोग किया है।

प्रस्तुत शोध के इस अध्याय चतुर्थ इसे मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित किया है।

1 प्रथम भाग– न्यादर्श का विवरण

2 द्वितीय भाग–चरों के मध्य संबंध

3 भाग तीन–चरों के मध्य अंतर

4.2 प्रथम भाग–न्यादर्श का विवरण

इस भाग में न्यादर्श का विद्यालय के प्रकार शासकीय– अशासकीय, लिंग अनुसार छात्र–छात्राएं , प्रशासन अनुसार केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली– मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल एवं माध्यम अनुसार हिन्दी एवं अंग्रजी में वितरित किया गया है। इसमें न्यादर्श को तालिका अनुसार प्रदर्शित किया गया है।

4.3 द्वितीय भाग-चरों के मध्य संबंध

प्रस्तुत शोध में चरों के मध्य **सहसंबंध ज्ञात करना** शोध का मुख्य उद्देश्य है-

इस भाग में चरों के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु दो स्वतंत्र चरों सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का संबंध एक आश्रित चर छात्र, छात्रा, शासकीय, अशासकीय, हिन्दी, अंग्रेजी, सी.बी.एस.ई. और म.प्र. बोर्ड के माध्यम से प्राप्त किया गया है। इस भाग में दोनं मुख्य चरो का संबंध सार्थक है या नहीं यह देखा गया है। इसकी सार्थकता ज्ञात करने हेतु उद्देश्य अनुसार बनाई गईसामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि परिकल्पना की जाँच की गई है। सहसंबंध की सार्थकता तालिका अनुसार ज्ञात की गई ।

1 छात्र-छात्राएं

2 शासकीय-अशासकीय

3 सी.बी.एस.ई. -.म.प्र. बोर्ड

4 हिन्दी माध्यम- अंग्रेजी माध्यम

410

4.4 भाग तीन-चरों के मध्य अंतर

प्रस्तुत भाग तीन में शोध के चरों के मध्य अंतर का ज्ञात किया गया है।

इस भाग में दो आश्रित चरों के मध्य एक स्वतंत्र चर के माध्यम से सार्थक अंतर है या नहीं यह ज्ञात किया गया है।सभी चरों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के अनुसार सार्थक अंतर की गणना की गई है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल Regional Institute of Education, Bhopal पुस्तकालय Library

प्रस्तुत भाग में निम्न चरों में अंतर की सार्थकता प्राप्त की गई है।

1 छात्र– छात्राएं

2 शासकीय –अशासकीय

3 सी.बी.एस.ई. –. म.प्र. बोर्ड

4 हिन्दी माध्यम– अंग्रेजी माध्यम

4.5 सहसंबंध

सहसंबंध एक सांख्यिकी तकनीक है जिसका प्रयोग दो या अधिक चरों के व्यवहारों का विश्लेषण करेन के लिये किया जाता है व्यवहारिक जीवन मे हम पाते है कि विभिन्न घटनाओं के बीच कुछ न कुछ संबंध अवश्य होता है उदाहरण के लिये,लोगो की आय बढने के साथ उनका उपयोग व्यय भी बड गया है। बाजार में वस्तु की कीमते घटने पर मागं बढ जाती है। लोगों की आयु बढने के साथ–साथ उनका वजन भी बढने लगता है। इस प्रकार के दो या चरो के बीच पाये जाने वाले पारस्पारिक संबंधो की दिशा' एवं मात्रा को मापने के लिए ही सांख्यिकी में सहसंबंध तकनीक का प्रयोग किया जाता है। ये संबंध एक दिशा में ही हो सकता है।

4.6 सहसंबंध के प्रकार

सहसंबंध कि दिशा,अनुपात एवं चरो की संख्या के आधार पर सहसंबंध के प्रकार है।

1.धनात्मक सहसंबंध

2.ऋणात्मक सहसंबंध

3.शून्य सहसंबंध

अ सहसंबंध गुणांक

संख्यात्मक सहसंबंध

–धनात्मक सहसंबंध

–ऋणात्मक सहसंबंध

–शून्य सहसंबंध

गुणात्मक सहसंबंध

–रेखीय सहसंबंध

–वक्रात्मक सहसंबंध

ब सहसंबंध की व्याख्या	धनात्मक सहसंबंध गुणांक
. 00 से 20	नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध
. 21 से 40	कम धनात्मक सहसंबंध
. 41 से 60	साधारण धनात्मक सहसंबंध
. 61 से 80	अधिक धनात्मक सहसंबंध
. 81 से 99	बहुत अधिक धनात्मक सहसंबंध
+ 1	पूर्ण सहसंबंध

स इसी प्रकार ऋणात्मक गुणांक की व्याख्या की जाएगी।

गुणांक	ऋणात्मक सहसंबंध
- 00 से 20	नाम मात्र ऋणात्मक सहसंबंध
- 21 से 40	कम ऋणात्मक सहसंबंध
- 41 से 60	साधारण ऋणात्मक सहसंबंध
- 61 से 80	अधिक ऋणात्मक सहसंबंध
- 81 से 99	बहुत अधिक ऋणात्मक सहसंबंध
– 1	पूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध

4.7 सहसंबंध गुणांक को ज्ञात करने की विधियां

1. स्पियरमैन का कोटी अतंर सहसंबंध गुणांक

2. कार्ल पिर्यसन का सहसंबंध गुणांक

4.8 सहसंबंध की सार्थकता ज्ञात करने हेतु

1. r>6pe 2. S.error =" 6 *pe =0.6745*1-r^2/ $\sqrt{N}$

4.9 आकडों का विवरण

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने **लॉटरी** विधि द्वारा कक्षा 11 वी गणित, संकाय के प्रत्येक विद्यालय से 20 विद्यार्थियों को विद्यालयों से चयन किया है। जो कि निम्न प्रकार है।

तालिका क्रमांक –2

बैतूल जिले के विद्यार्थीयों का विवरण

क	विद्यालय का नाम	विद्यालय का प्रशासन	विद्यार्थियों की सं.	शिक्षा का माध्यम	विद्यालय का प्रकार	विद्या.का स्थान
1	शा.कन्या विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
2	शा. बालक विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
3	शा.उत्कृष्ट विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
4	गुरूनानक हायर सेकण्री स्कूल	अशासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
5	शा.उत्कृष्ट विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
6	भारत भारतीय बालक आवसीय विद्यालय	अशासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
7	आर.डी.पब्लिक स्कूल	अशासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	बैतूल
8	केन्द्रीय विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	आमला
9	लाईफ कैरियर स्कूल	अशासकीय	20	अंग्रेजी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
10	जवाहर नवोदय विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	मुलताई

SCHOOL NAME-GOVT. BOYS SCHOOL CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDII	EDUC AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	RAHUL PATWARI	M	H	51	12	31	43	86
2	AAKASH GADEKAR	M	H	47	20	31	24	75
3	AASHIS SONI	M	H	49	20	40	39	99
4	PRAVIN KHATERKAF	M	H	45	20	36	40	96
5	ARUN YADAV	M	H	37	14	27	26	67
6	DURGESH PATHADE	M	H	36	15	38	27	80
7	MATHURA PRASAD	M	H	38	3	9	14	26
8	DIPAK KUMAR	M	H	43	14	49	33	96
9	ROHIT KUMAR	M	H	53	7	17	31	55
10	MAHADEV SABRE	M	H	50	20	29	50	99
11	MANVENDRA	M	H	45	16	29	18	63
12	RAVI RAVAT	M	H	65	22	16	23	59
13	PAVAN HARODE	M	H	48	20	36	26	82
14	NIKHIL NAGLE	M	H	44	20	35	33	88
15	KAMAL KISHORE	M	H	49	20	42	31	93
16	TARUN SORYVANSI	M	H	80	12	21	14	47
17	NAND KUMAR	M	H	48	20	12	40	72
18	KAPIL PANDOLE	M	H	52	15	30	34	79
19	SNEHA BOKARE	M	H	55	27	34	38	99
20	DURGESH GHIGHOL	M	H	42	14	28	22	64

SCHOOL NAME-GOVT.GIRLS SCHOOL AM CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDIL	EDUCA.AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	PURJANA KHAN	F	H	66	5	26	31	62
2	VIBHA TAIVADE	F	H	30	12	40	31	83
3	PALAK	F	H	64	6	38	25	69
4	RADIKHA	F	H	44	8	26	38	72
5	DIPIKA PAL	F	H	46	3	15	20	38
6	YOGITA	F	H	43	6	30	16	52
7	LALITA BACHLE	F	H	37	4	18	41	63
8	POONAM	F	H	30	8	41	33	82
9	DIPA BADRE	F	H	49	5	15	31	51
10	PRITI KHATERKAR	F	H	48	6	36	28	70
11	NIYARIKA IVNE	F	H	35	7	30	24	61
12	URMILA HARODE	F	H	32	4	16	24	44
13	SONAM PARIHAR	F	H	54	8	24	36	68
14	SONALI PATIL	F	H	46	5	25	48	78
15	MEGHA PANDE	F	H	41	13	17	11	41
16	AAKANSHA	F	H	34	8	23	38	69
17	BHAVNA	F	H	63	7	15	18	40
18	KAVITA	F	H	35	16	46	21	83
19	VARSHA	F	H	43	10	23	18	51
20	HOLIKA SHAHU	F	H	44	12	25	40	77

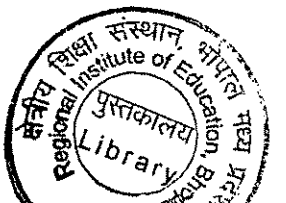

SCHOOL NAME-GOVT.execllence school be CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDIU	EDUC. AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	SATISH SONI	M	E	55	14	28	22	64
2	YASH RAJ	M	E	52	12	21	14	47
3	RATIKSHA	F	E	72	16	29	18	63
4	YASHIKA	F	E	76	17	47	31	95
5	SHURTI PATHAK	F	E	62	14	49	33	96
6	SHIYA	F	E	64	13	9	14	36
7	JAY BARNGE	M	E	67	15	38	27	80
8	AAYUSHI	F	E	68	20	36	26	82
9	VIYAKANT	M	E	81	14	27	26	67
10	VAISHALI	F	E	54	15	30	34	79
11	ADITI	F	E	66	31	12	40	83
12	HIMANU	M	E	57	14	49	33	96
13	PALAK	F	E	89	15	27	31	73
14	AAKASH	M	E	60	12	14	21	47
15	DIVYANSU	M	E	43	12	31	43	86
16	HARSE	M	E	53	20	36	35	91
17	SAKET PANDEY	M	E	88	14	49	33	96
18	AABHA	F	E	64	23	31	21	75
19	ADITYA	M	E	53	13	19	14	46
20	SITESH	M	E	55	14	25	19	58

SCHOOL NAME-Gurunanak school amla CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDIU	EDUC. AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	ANIL MEENA	M	H	61	16	18	8	42
2	DEEPA MARSKOLE	F	H	51	13	9	11	33
3	MANALI VARMA	F	H	54	11	16	17	44
4	NAVIN PARIHAR	M	H	69	14	11	34	59
5	NITU KUMARE	F	H	65	11	18	5	34
6	NITESH MOHANE	M	H	49	14	18	24	56
7	POONAM PARTE	F	H	52	12	14	62	88
8	PRADIP KHADE	F	H	61	9	31	53	93
9	PRAGTI SOLANKI	F	H	51	14	30	11	55
10	ROHIT SHAHU	M	H	59	10	26	31	67
11	SHIVAM SHAHU	M	H	69	18	34	7	59
12	SHUBAM MANDVE	M	H	56	14	16	32	62
13	SHUSIL PANDOLE	M	H	55	13	31	44	88
14	VIRENDRA SOLANKI	M	H	52	18	14	12	44
15	VISHAL DESHMUK	M	H	53	17	31	31	79
16	YASH THAKUR	M	H	54	18	23	30	71
17	ANMOLE BAGGA	M	H	68	16	22	27	65
18	PRIYANSU	M	H	68	14	36	36	86
19	PRAGYA	F	H	87	14	16	33	63
20	PARTH MALVIY	M	H	61	6	11	9	26

SCHOOL NAME-Govt excellence school CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDII	EDUC.AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	HARSH KUMAR	M	H	60	12	20	17	71
2	GULSHAN DHAKAD	M	H	59	19	36	16	55
3	KARUN GAVANDE	M	H	61	11	19	5	67
4	AACHAL	F	H	36	14	28	24	59
5	SHANTNU	M	H	68	17	31	4	65
6	MONA SARLE	F	H	69	13	22	46	56
7	VISHAL JARE	M	H	63	15	39	21	88
8	SOMNATH	M	H	45	20	48	10	93
9	CHANDRASHEKHAR	M	H	44	13	31	34	86
10	AJITDURVE	M	H	39	9	16	20	42
11	PRAVIN	M	H	70	6	12	13	33
12	LOKESH	M	H	38	12	19	18	44
13	NIKITA	F	H	47	9	31	20	59
14	MINAL SHAHU	F	H	64	20	33	35	34
15	VIKASH	M	H	33	18	42	30	62
16	KHUSHI	F	H	61	16	46	30	88
17	ROSHNI	F	H	49	11	24	19	44
18	AARTI	F	H	49	15	34	27	79
19	SHIVANI	F	H	55	19	31	31	63
20	PRAVIN	M	H	49	8	22	16	26

SCHOOL NAME-BHARAT BHARTI SCHO CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	1EDIUI	EDUC.AC	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	YOGESH	M	H	68	9	23	49	81
2	SHIVAM	M	H	48	12	14	18	44
3	CHANDRASHEKHAR	M	H	39	11	12	16	39
4	AJAY SINGH	M	H	46	6	32	38	76
5	LALIT	M	H	64	13	11	3	27
6	JENENDRA	M	H	55	20	21	8	49
7	MITHLESH	M	H	60	18	30	38	86
8	RAJKUMAR	M	H	63	19	22	5	46
9	AAKASH	M	H	62	20	27	12	59
10	AAKASH DANGE	M	H	56	15	19	4	38
11	VIKRAM JAIN	M	H	54	18	16	10	44
12	PAVAN	M	H	39	20	28	10	58
13	ARUN	M	H	60	9	35	47	91
14	LALA	M	H	65	7	38	40	85
15	SURAJ	M	H	51	11	14	20	45
16	SHUBHAM	M	H	50	14	16	8	38
17	PRASHANT	M	H	60	18	20	9	47
18	KARAN	M	H	62	20	18	33	71
19	ABHIJIT	M	H	48	11	29	45	85
20	MAHENDRA	M	H	64	13	38	38	89

SCHOOL NAME-LIFE CAREER H.SEC. S CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	IEDIUI	EDUC. A(	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	MAYUR SHAHU	M	E	89	7	11	21	39
2	PRANITA	F	E	55	14	17	15	46
3	KUNAL	M	E	54	11	12	58	81
4	PALAK	F	E	72	16	33	32	81
5	MANISH	M	E	66	7	9	33	49
6	DIPANSU	M	E	34	18	14	31	63
7	HARSHA	F	E	61	13	17	35	65
8	SHITAL	F	E	61	14	24	30	68
9	CHANDRAKANT	M	E	58	11	18	20	49
10	RANUKA	F	E	35	13	14	18	45
11	PAYAL	F	E	84	19	20	17	56
12	RAJNISH	M	E	57	18	30	43	91
13	DERSHAN	M	E	47	14	28	40	82
14	HIMANSHU	M	E	35	15	16	13	44
15	SUNITA VARMA	F	E	36	11	18	9	38
16	HEMA SHAHU	F	E	62	9	22	13	44
17	NIVEDITA	F	E	71	14	41	26	81
18	SARANG	M	E	56	16	16	7	39
19	JIGYANSU	M	E	53	11	13	22	46
20	NEHA	F	E	45	18	38	20	76

SCHOOL NAME-K.V.AMLA M P CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	IEDIUI	EDUC. A(	SOCIAL ADJUSTMEMT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	SAS
1	ADITI PATHERIYA	F	E	72	16	23	39	78
2	PAYAL	F	E	69	19	36	26	81
3	AMBUJ	M	E	76	7	28	49	84
4	AAKASH SONI	M	E	63	5	24	20	49
5	HIMANU	M	E	62	13	48	7	68
6	AYAN	M	E	90	12	24	6	42
7	NITISH	M	E	57	7	19	30	56
8	HAMANT	M	E	63	20	16	5	41
9	AVANDITHI	F	E	76	8	13	14	35
10	KHUSBOO SONI	F	E	63	6	19	30	55
11	PRAFUL	M	E	63	18	25	23	66
12	TARUN	M	E	66	11	13	47	71
13	KASTUB	M	E	69	12	33	18	63
14	SHORYA SONI	M	E	61	12	16	39	67
15	KUNAL DEEP	M	E	68	9	15	52	76
16	VIJAY YADAV	M	E	66	14	18	27	59
17	NITIN KUMAR	M	E	68	20	34	27	81
18	ALAYAN	M	E	76	15	23	7	45
19	MUKAUL	M	E	55	13	18	17	48
20	SIVAM SHAHU	M	E	59	20	19	22	61

18	RISHABH	M	E	77	9	11	29	49
19	NAVIN	M	E	69	7	24	20	51
20	AMIT KUMAR	M	E	61	14	26	28	68

4.11 शोध की परिकल्पनाएँ

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध हेतु शून्य परिकल्पना का निर्माण किया है क्योंकि शोध में प्रयुक्त चर सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में कोई सही दिशा प्राप्त न होने के कारण शोधार्थी ने अपने अनुभव एवं ज्ञान के अनुसार शून्य परिकल्पना का निर्माण किया है।

शून्य परिकल्पनाए जो निम्नलिखित हैः-

अ शोध की परिकल्पनाएँ

1अ- छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

2अ- छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

3अ- शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

4अ- अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

5अ- सी.बी.एस.ई. विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

6अ- म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

7अ- हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

8अ- अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों कीशैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

9अ- विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

स शोध की उप.परिकल्पनाएँ

1.ब- छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

2.ब- छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

3.ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

4.ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

5.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

6.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

7.ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

8.ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

4.2 प्रथम भाग–न्यादर्श का विवरण

तालिका कमांक –3

विद्यार्थियों कि संख्या

क्र.	विद्यार्थियों की संख्या	लिंग	प्रतिशत
1	126	छात्र	63
2	74	छात्राए	37

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में विद्यार्थियों की संख्या कुल 200 है इसमें छात्रों की संख्या 126 एवं छात्राओं की संख्या 74 है। शोध में विद्यार्थियों को लिंग अनुसार तालिका में विभाजित किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक –1

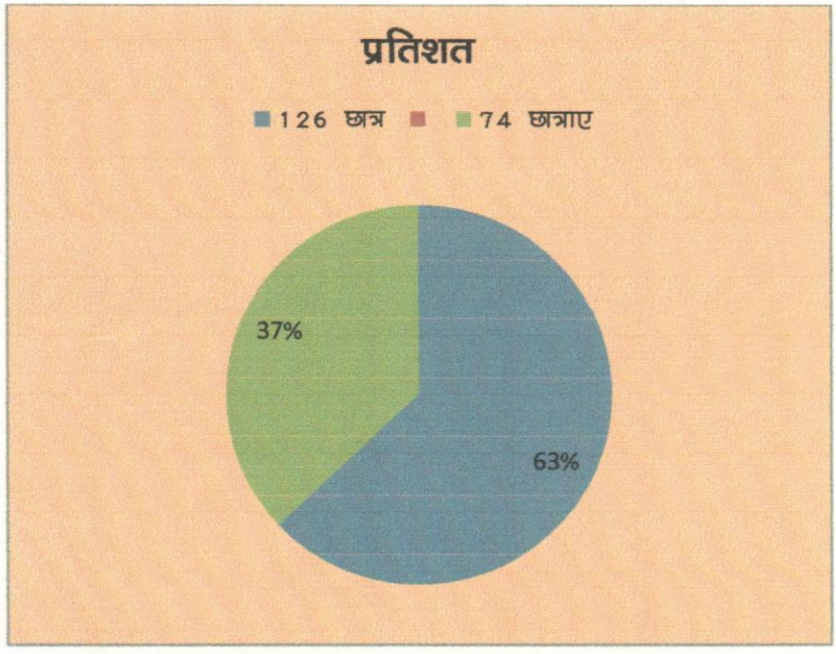

प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है कि छात्रों की संख्या छात्राओं की संख्या से अधिक है शोध के कुल 10 विद्यालयों में से प्राप्त विद्यार्थियों को ग्राफ अनुसार दर्शाया गया हैं।

तालिका क्रमांक –4

प्रबंधन अनुसार विद्यालय

क्रं.	प्रबंधन	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	शासकीय	120	60
2	अशासकीय	80	40

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शासकीय प्रबंधन अनुसार विद्यार्थियों की संख्या 120 है एवं अशासकीय प्रबंधन अनुसार विद्यार्थियों की संख्या 80 है।

ग्रॉफ क्रमांक –2

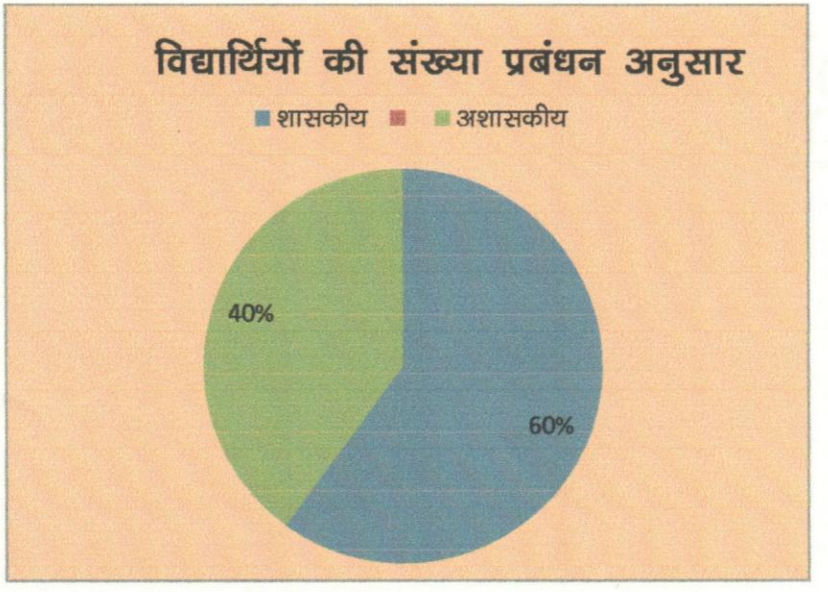

प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत 60 है एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत 40 है शोध हेतु दोनों प्रबंधन के विद्यालयों को लिया गया है।

तालिका क्रमांक –5

प्रशासन अनुसार विद्यालय

क्रं.	प्रशासन	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	के.मा.शि.म.दिल्ली	60	30
2	मा.शि.म.भोपाल (म.प्र.)	140	70

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शिक्षा के प्रशासन अनुसार विद्यालयों को दो भागों में बांटा गया है प्रथम केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल (म.प्र.) इनके विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 60 एवं 140 है।

ग्रॉफ क्रमांक –3

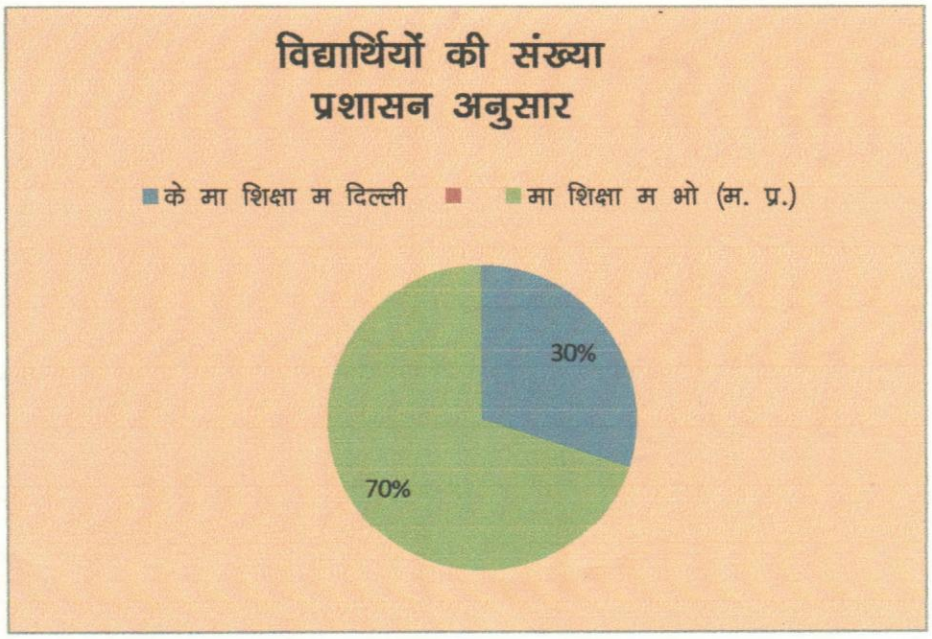

प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल के विद्यार्थियों का प्रतिशत 30 है एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों का प्रतिशत 70 है जो कि शोध में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते है।

तालिका क्रमांक –6

माध्यम अनुसार विद्यालय

क्रं.	माध्यम	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	हिन्दी माध्यम	100	50
2	अंग्रेजी माध्यम	100	50

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100–100 है।

ग्रॉफ क्रमांक –4

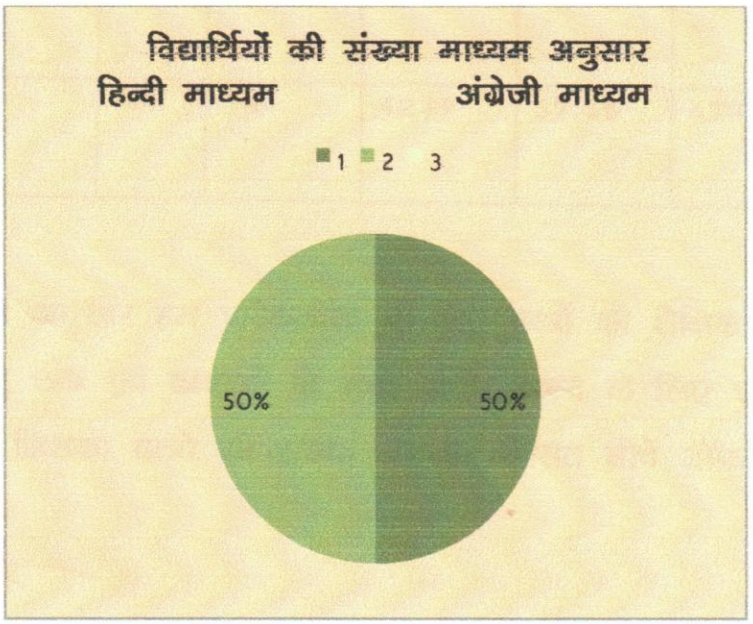

प्रस्तुत ग्रॉफ अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में विद्यार्थियों की संख्या का प्रतिशत क्रमश 50–50 है जिन्हें हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम अनुसार बांटा गया है। शोध में दोनों माध्यम के विद्यार्थियों को लिया गया है।

द्वितीय भाग– चरों के मध्य संबंध

इस भाग में चरों के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु दो स्वतंत्र चरों सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का संबंध एक आश्रित चर छात्र, छात्रा, शासकीय, अशासकीय, हिन्दी, अंग्रेजी, सी.बी.एस.ई. और म.प्र. बोर्ड के माध्यम से प्राप्त किया गया है।

उद्देश्य–2 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि लिंग अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य–7 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन लिंग अनुसार ज्ञात करना

तालिका कमांक –7

कं.	समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	छात्र	126	7213	57.24	7982	63.34
2	छात्रा	74	4239	57.36	4774	64.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन हेतु छात्र एवं छात्राओ के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका छात्रो की संख्या अनुसार औसत नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

परिकल्पना .1अ– छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –8

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
छात्र	126	7213	57.24	7982	63.34

तालिका क्रमांक –9

सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
126	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	57.24 63.34	-0.094	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ क्रमांक –5

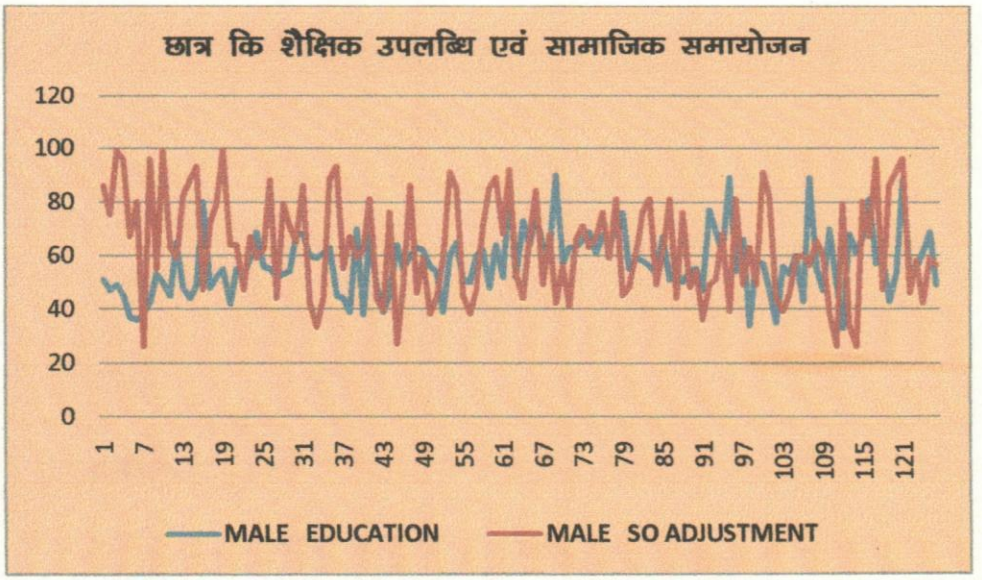

Df=124

0.05 स्तर पर .174

0.01 स्तर पर .228

परिकल्पना की जॉच करने हेतु कार्लपिर्यसन सहसंबंध संख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है। इसमें पाया गया है। कि दोनों चरो के बीच -0.094 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f=124) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .174 एवं 0.01 स्तर पर .228 मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि " छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक है"। इस प्रकार प्रस्तुत r का मान अनुसार हम कह सकते हैं कि छात्र की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध ऋणात्मक होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .2अ– छात्राओ कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –10

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
छात्राएँ	74	4239	57.28	4774	64.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्राओ की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन हेतु छात्राओ के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका छात्राओ की संख्या अनुसार नीचे संबंध प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक –11

सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
74	शैक्षिक उपलब्धि	57.28	0.050	सार्थक संबंध नही है।
	सामाजिक समायोजन	64.51		

ग्रॉफ कमांक -6

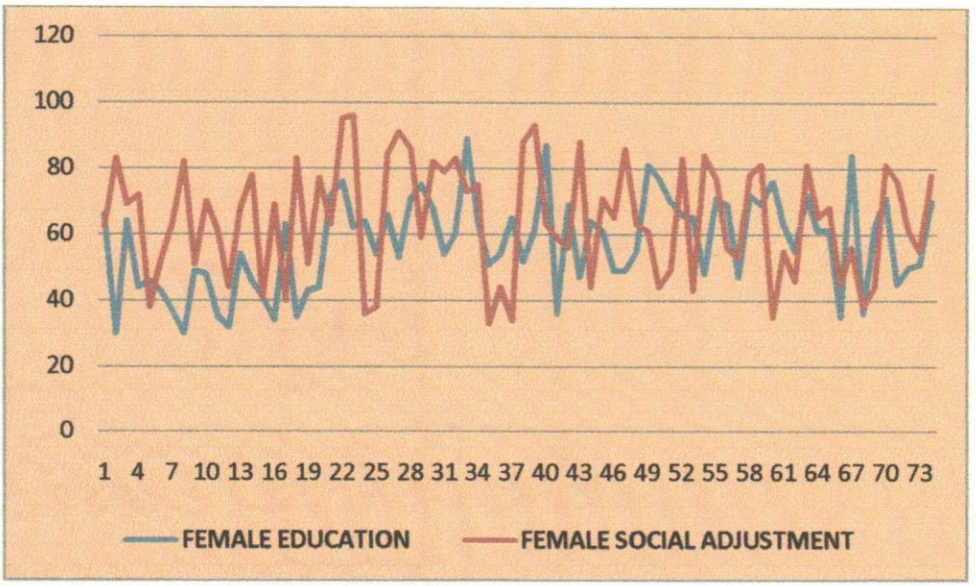

Df=72

0.05 स्तर पर .232

0.01 स्तर पर .302

दोनों चरो के बीच 0.050का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=72) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .232 एवं 0. 01 स्तर पर .302केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष– शोध से हम कह सकते है कि ''विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधनाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै''। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य–3 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य–8 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक –12

क्रं.	प्रबंधन	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	शासकीय	120	6722	56.01	7931	66.09
2	अशासकीय	80	4736	59.20	4825	60.31

परिकल्पना .3अ– शासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –13

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
शासकीय	120	6722	56.01	7931	66.09

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका कमांक –14

शासकीय प्रबंधन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
120	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	56.01 66.09	-0.087	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ कमांक –7

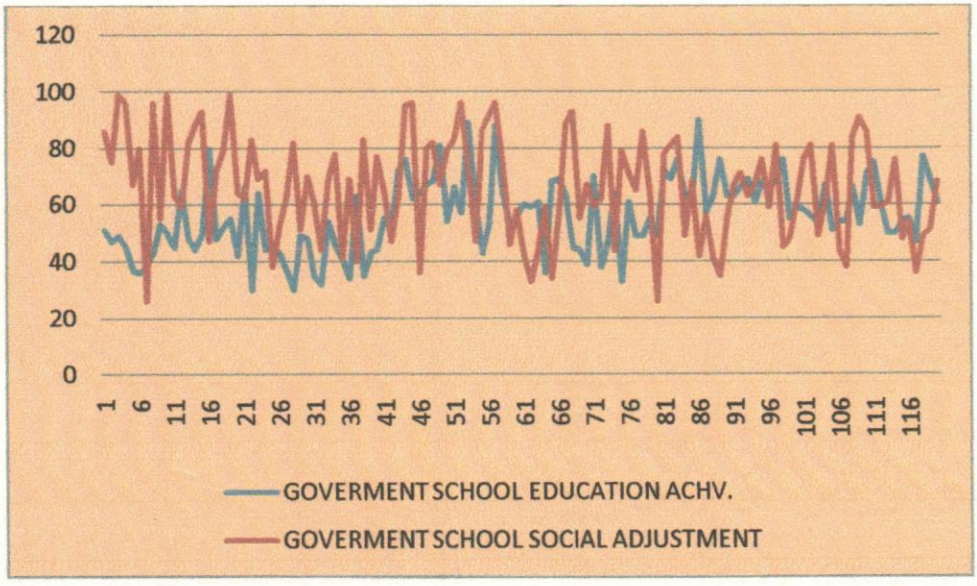

Df=118

0.05 स्तर पर .174

0.01 स्तर पर .228

दोनों चरो के बीच-0.087 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है।सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=118) का मान देखकर ज्ञात

होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .174 एवं .01 स्तर पर .228केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .4अ–अशासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका कमांक –15

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
अशासकीय	80	4736	59.20	4825	60.31

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए अशासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका कमांक –16

अशासकीय प्रबंधन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
80	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	59.20 60.31	0.116	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ कमांक –8

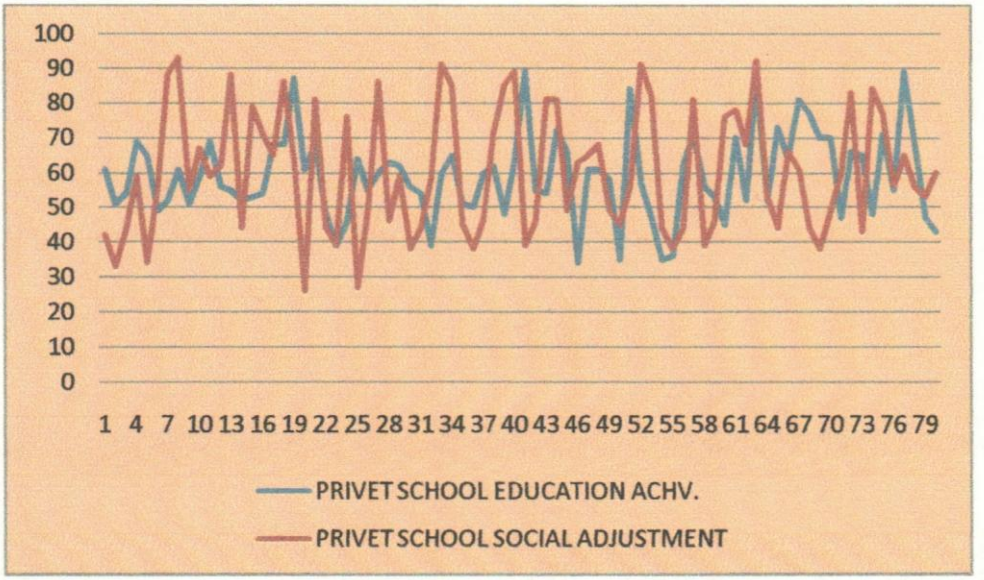

Df=78

0.05 स्तर पर .217

0.01 स्तर पर .283

दोनों चरो के बीच0.116का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै।सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निर्शचित डी.एफ. (d.f.=78) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .217एवं .01 स्तर पर .283केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सह संबंध धनात्मक नाम मात्र है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य धनात्मक सहसंबंध है"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य–4 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य–9 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक –17

प्रशासन अनुसार विद्यालय

कं.	प्रशासन	विद्यार्थियों की संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	**CBSE**	60	3819	63.65	3708	61.8
2	**M.P.BOARD**	140	7639	54.56	9048	64.62

परिकल्पना .5अ–सी.बी.एस.ई. विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –18

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
CBSE	60	3819	63.65	3708	61.8

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए सी.बी.एस.ई.विद्यालय के विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक –19

के मा शिक्षा म दिल्ली प्रशासन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
60	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	63.65 61.8	0.024	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ कमांक –9

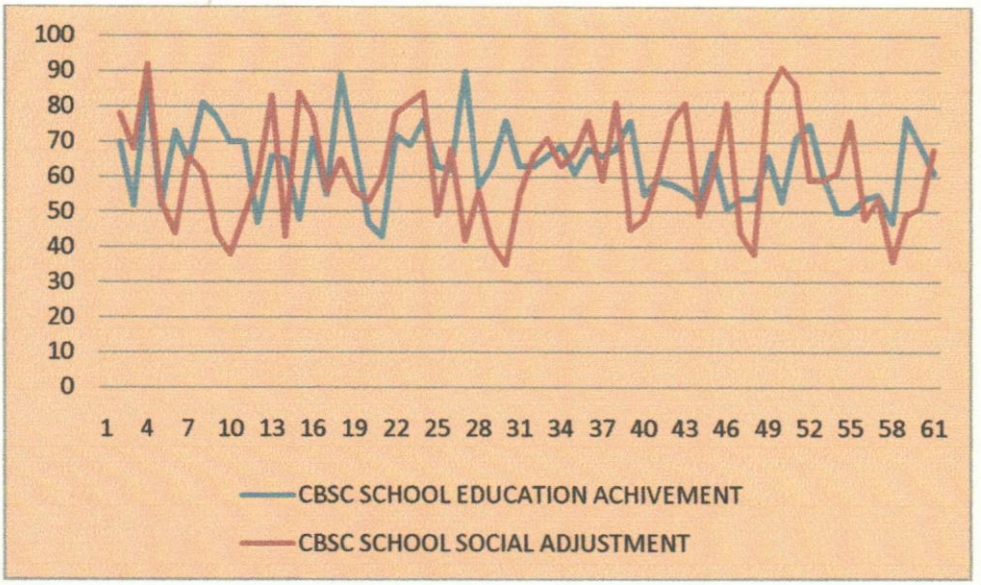

Df=58

0.05 स्तर पर .250

0.01 स्तर पर .325

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

दोनों चरो के बीच0.024 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै।सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=58) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर . 250एवं .01 स्तर पर .325 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधनाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .6अ– म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –20

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
M.P.BOARD	140	7639	54.56	9048	64.62

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यालय के विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक –21

मा शिक्षा म भो (म. प्र.)प्रशासनअनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
140	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	54.56 64.62	-0.013	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ क्रमांक –10

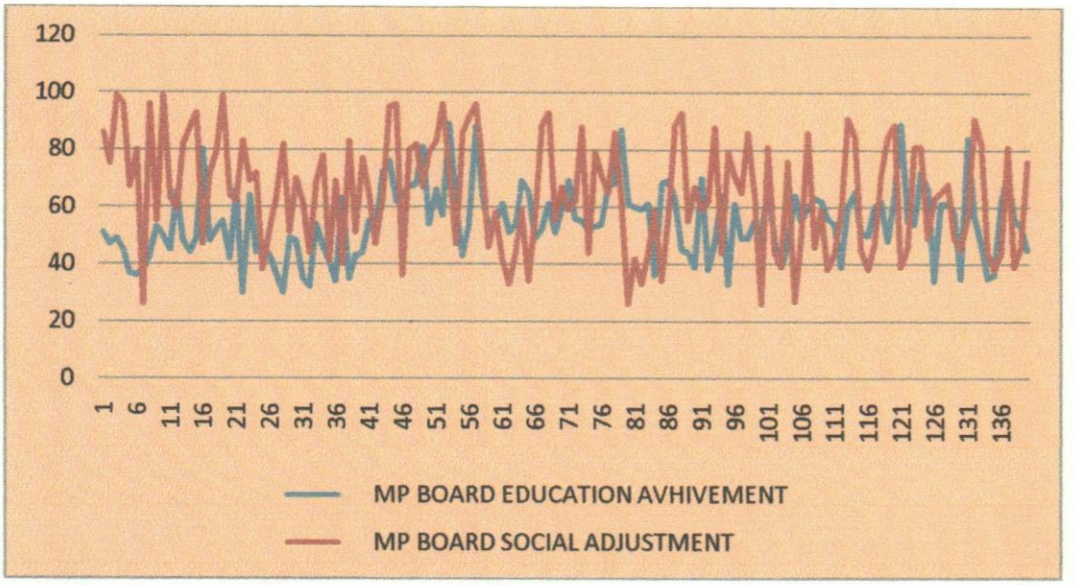

Df=138

0.05 स्तर पर .208

0.01 स्तर पर .159

दोनों चरो के बीच-0.013 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=138) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .208 एवं .01 स्तर पर .159के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य–5 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि माध्यम अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य–10 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन माध्यम अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक –22

माध्यम अनुसार विद्यार्थियों की संख्या

क्रं.	माध्यम	विद्यार्थियों की संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	हिन्दी माध्यम	100	5229	52.29	6405	64.05
2	अंग्रेजी माध्यम	100	6229	62.29	6351	63.51

परिकल्पना .7अ– हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –23

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	5229	52.29	6405	64.05

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका कमांक -24

हिन्दी माध्यम अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
100	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	52.29 64.05	-0.147	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ कमांक -11

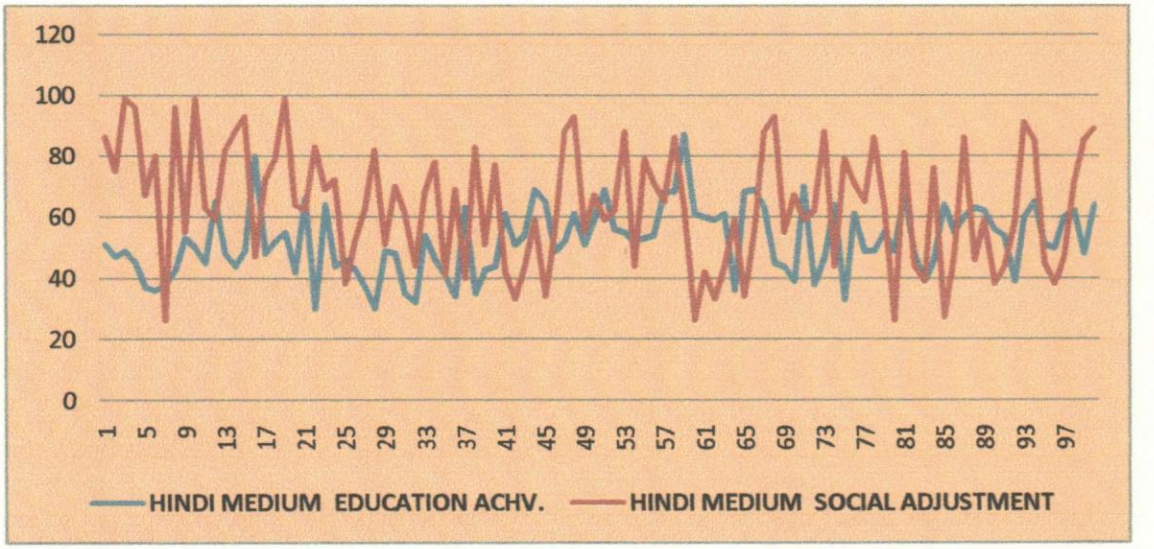

Df=98

0.05 स्तर पर .205

0.01 स्तर पर .267

दोनों चरो के बीच-0.147 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=98) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .205 एवं .01 स्तर पर .267 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि ''विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधऋणात्मक सहसंबंधहै''। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .8अ– अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका कमांक –25

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
अंग्रेजी माध्यम	100	6229	62.29	6351	63.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका कमांक -26

अंग्रेजीमाध्यम अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
100	शैक्षिक उपलब्धि सामाजिक समायोजन	62.29 63.51	0.105	सार्थक संबंध नही है।

ग्रॉफ कमांक -12

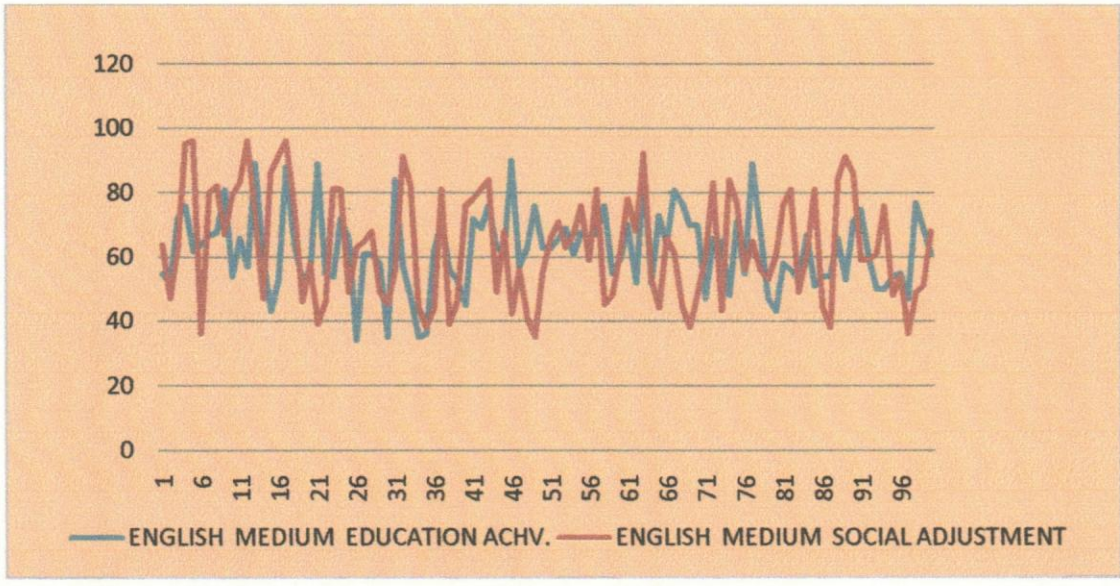

Df=98

0.05 स्तर पर .195

0.01 स्तर पर .254

दोनों चरो के बीच 0.105 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=98) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .195 एवं .01

स्तर पर .254केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष– शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधनाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य–1 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।

उद्देश्य–6 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन ज्ञात करना।

परिकल्पना 9अ– विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक –27

विद्यार्थियों कि संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	विद्यार्थियों कि संख्या	सामाजिक समायोजन
200	11452	200	12756

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -28

विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	कुल	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
200	शैक्षिक उपलब्धि	11458	57.29	-0.02	सार्थक संबंध नही है।
	सामाजिक समायोजन	12756	63.78		

ग्रॉफ क्रमांक -13

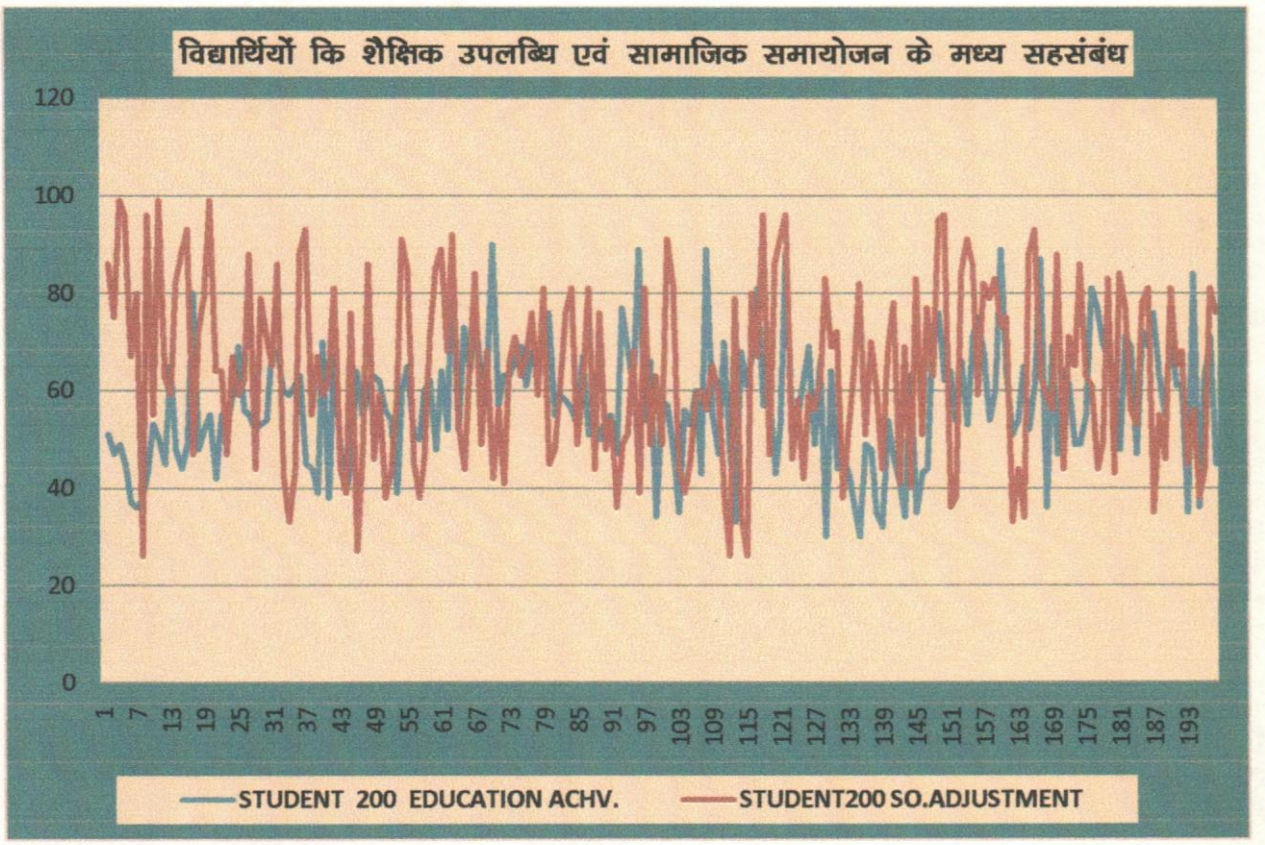

Df=198

0.05 स्तर पर .138

0.01 स्तर पर .181

दोनों चरो के बीच-0.02 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है।सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=198) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r =-0.02 का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .138 एवं .01 स्तर पर .181केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष–शोध से हम कह सकते है कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है"। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

भाग तीन–चरों के मध्य अंतर

प्रस्तुत भाग तीन में शोध के चरों के मध्य अंतर का ज्ञात किया गया है।

इस भाग में दो आश्रित चरों के मध्य एक स्वतंत्र चर के माध्यम से सार्थक अंतर है या नहीं यह ज्ञात किया गया है। सभी चरों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के अनुसार सार्थक अंतर की गणना की गई लें

अन्य चर

1.	छात्र	2.	छात्रा
3.	शासकीय विद्यालय	4.	अशासकीय विद्यालय
5.	के.मा.शि.मं. दिल्ली	6.	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.
7	हिन्दी माध्यम	8	अंग्रेजी माध्यम

परिकल्पना .1ब- छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका कमांक -29

कं.	समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान
1	छात्र	126	7213	57.24
2	छात्रा	74	4239	57.36

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक -14

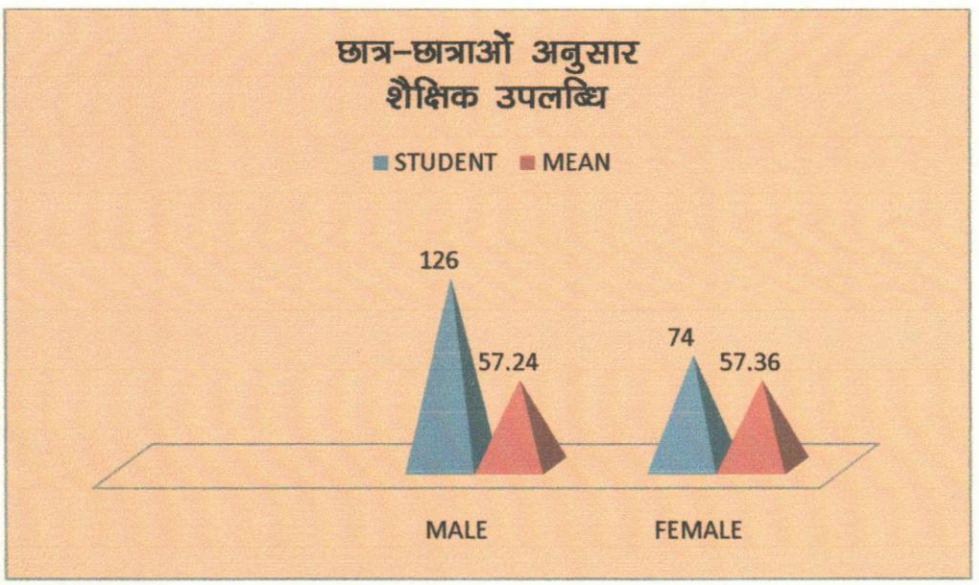

तालिका कमांक -30

छात्र-छात्रा अनुसार शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता का स्तर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
छात्र छात्रा	126 74	57.24 57.36	11.81 14.29	0.12	1.84	0.06	सार्थक अन्तर नही है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपातका मान 0.06प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों **छात्र एवं छात्रा** का शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

निष्कर्ष-सारणी के मान सेहम कह सकते है कि **छात्र एवं छात्रा** की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नही है ।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .2ब- छात्र-छात्रा के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक -31

सामाजिक समायोजन

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

समूह	संख्या	मध्यमान
छात्र	126	65.25
छात्राए	74	64.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक -15

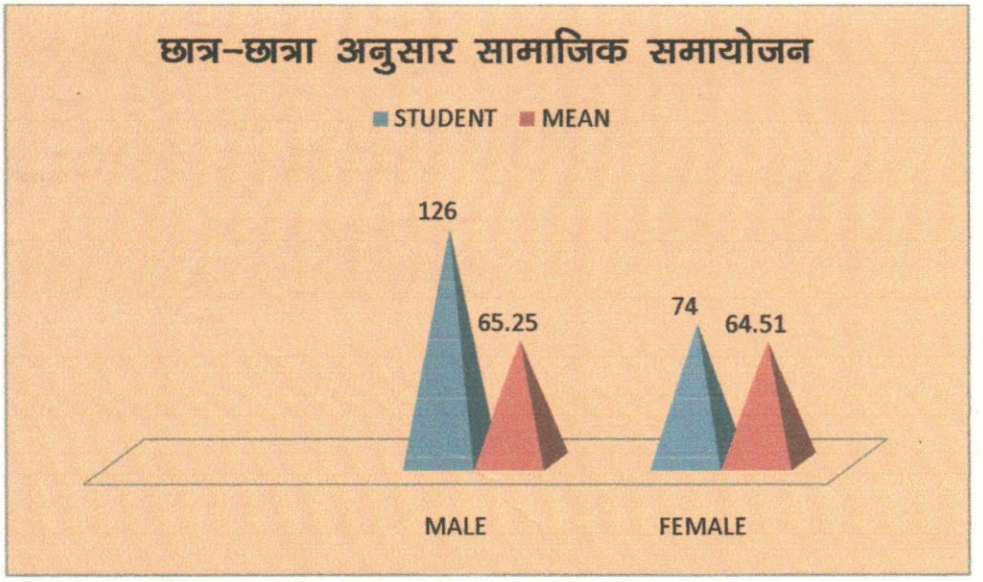

तालिका क्रमांक -32

छात्र-छात्रा अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	कांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
छात्र	126	65.25	19.54	0.74	2.60	0.28	सार्थक अन्तर नही है।
छात्राए	74	64.51	17.30				

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच कांतिक अनुपात का मान 0.28 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर कांतिक मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों **छात्र एवं छात्रा** का सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

निष्कर्ष-सारणी के मान स`हम कह सकते है कि **छात्र एवं छात्रा के सामाजिक समायोजन** के मध्य सार्थक अन्तर नही है ।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .3ब– शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका कमांक –33

प्रबंधन अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
शासकीय	120	56.01
अशासकीय	80	59.17

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक –16

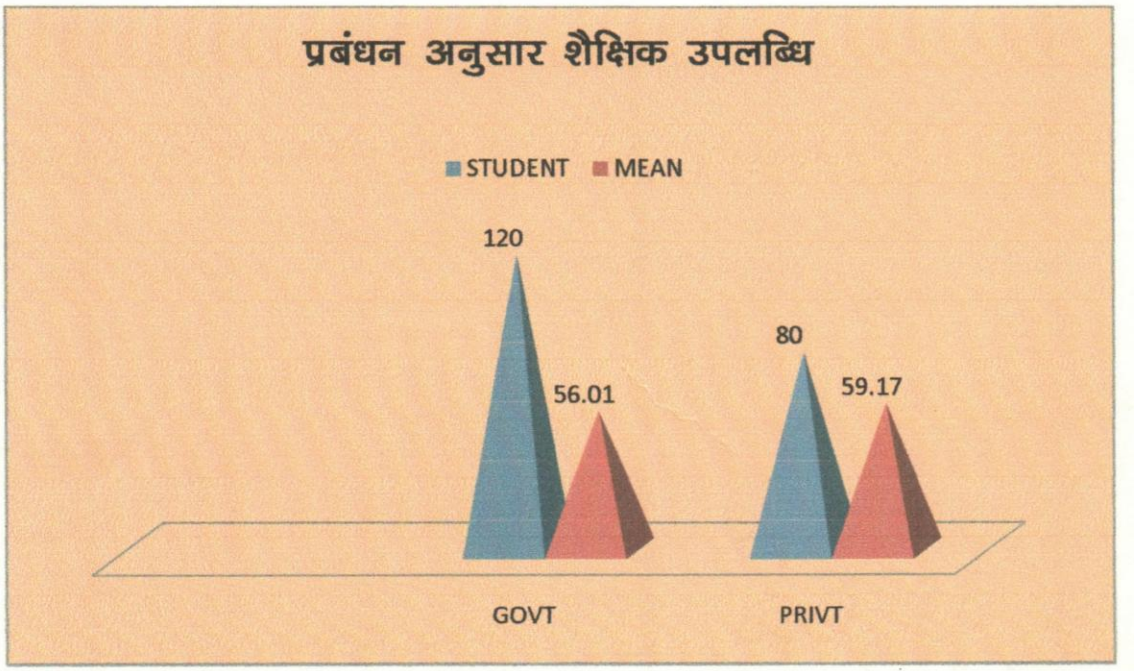

तालिका क्रमांक –34

प्रबंधन अनुसार शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
शासकीय	120	56.01	12.96	3.16	1.78	1.77	सार्थकअन्तर नही है।
अशासकीय	80	59.17	12.35				

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 1.77 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निशचित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60क मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

निष्कर्ष–सारणी के मान सेहम कह सकते है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय छात्र एवं छात्रा के शैक्षिक उपलब्धिके मध्य सार्थक अन्तर नही है ।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना 4.ब– शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन मे सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका कमांक –35

प्रबंधन अनुसार सामाजिक समायोजन

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
शासकीय	120	66.78
अशासकीय	80	60.31

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक –17

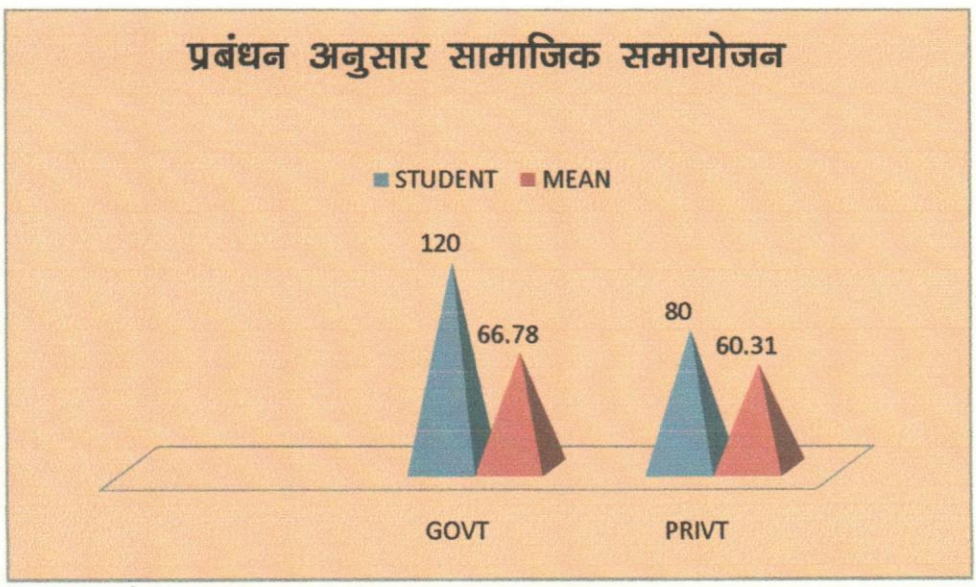

तालिका क्रमांक –36

प्रबंधन अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
शासकीय	120	66.78	17.90	6.47	2.53	2.55	सार्थक अन्तर नही है।
अशासकीय	80	60.31	17.98				

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 2.55 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष–सारणी के मान से हम कह सकते है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय छात्र एवं छात्रा के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नही है ।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना 5.ब– केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

तालिका क्रमांक –37

प्रशासन अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि
CBSC	60	63.65
MPBOARD	140	54.63

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक –18

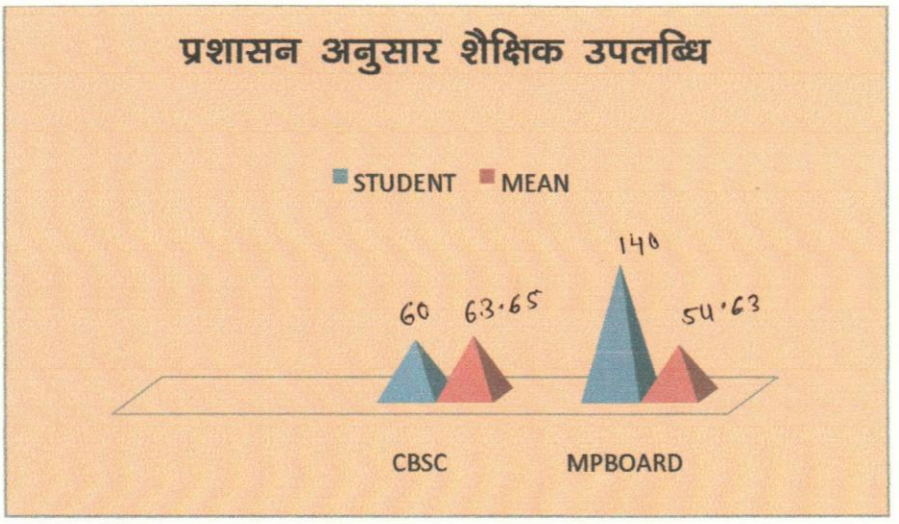

तालिका कमांक -38

शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
CBSC	60	63.65	10.74	9.02	1.65	5.46	सार्थक अन्तर है।
MPBOARD	140	54.63	12.63				

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 5.46 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60 के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल (म. प्र.) अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष–सारणी के मान सेहम कह सकते है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल(म. प्र.) अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को अस्वीकृत करते है।

परिकल्पना 6.ब– केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक –39

प्रशासन अनुसार सामाजिक समायोजन

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
CBSC	60	61.84
MPBOARD	140	64.62

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्य अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक –19

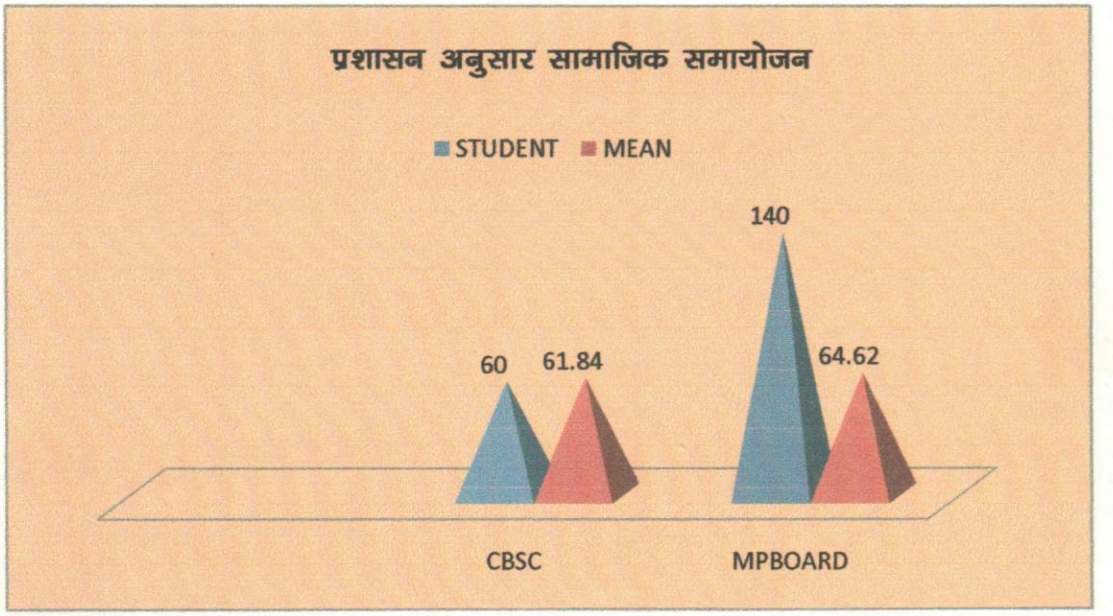

सामाजिक समायोजन की सार्थकता

तालिका क्रमांक –40

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
CBSC	60	61.84	15.32				सार्थक अन्तर नही है।
MPBOARD	140	64.62	19.46	2.78	2.45	1.13	

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 1.13 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों **CBSC** एवं **MPBOARD** के विद्यालय के **सामाजिक समायोजन** के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

निष्कर्ष–सारणी के मान सेहम कह सकते है कि **CBSC** एवं **MPBOARD** के विद्यालय के **सामाजिक समायोजन** के मध्य सार्थक अन्तर नही है ।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

परिकल्पना .7.ब– हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक –41

माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

समूह	संख्या	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	52.29
अंग्रेजी माध्यम	100	62.29

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक –20

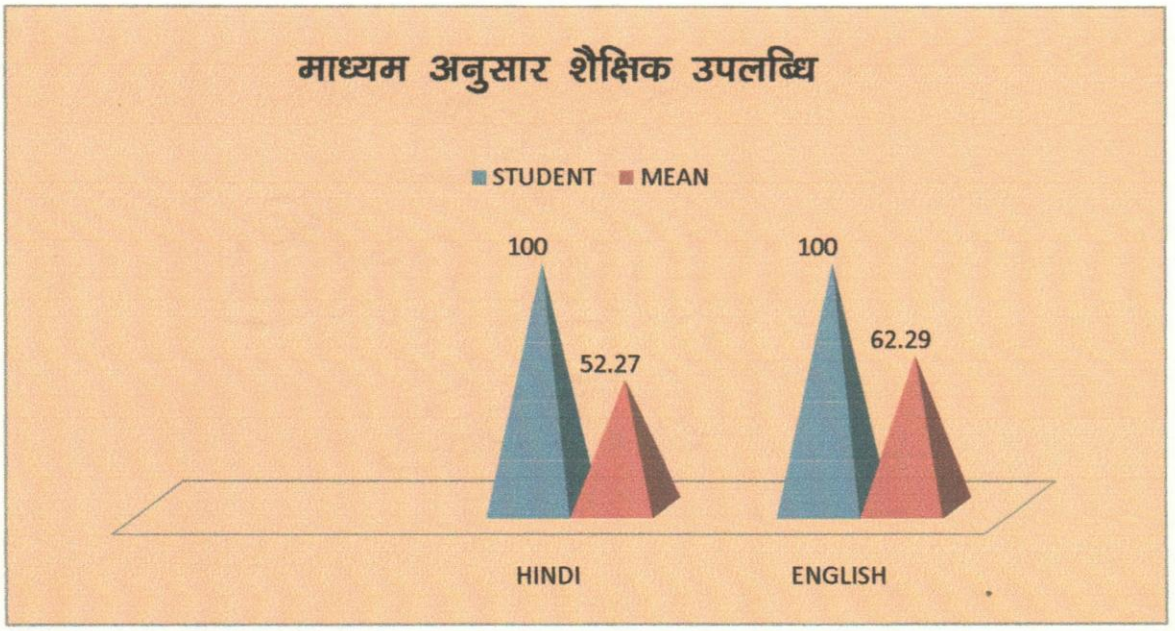

प्रस्तुत ग्रॉफ अनुसार दर्शाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100-100 एवं इन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का औसत मान क्रमशः 52. 27 एवं 62.29 है।

तालिका क्रमांक -42

माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
हिन्दी माध्यम	100	52.29	11.42				सार्थक
				10	1.66	6.02	
अंग्रेजी माध्यम	100	62.29	12.91				अन्तरहै।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 6.02 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते है कि हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को अस्वीकृत करते है।

परिकल्पना .8ब– हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन

तालिका कमांक –43

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education
पुस्तकालय

माध्यम	संख्या	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	64.68
अंग्रेजी माध्यम	100	63.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन हेतु हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के मध्य अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ कमांक –21

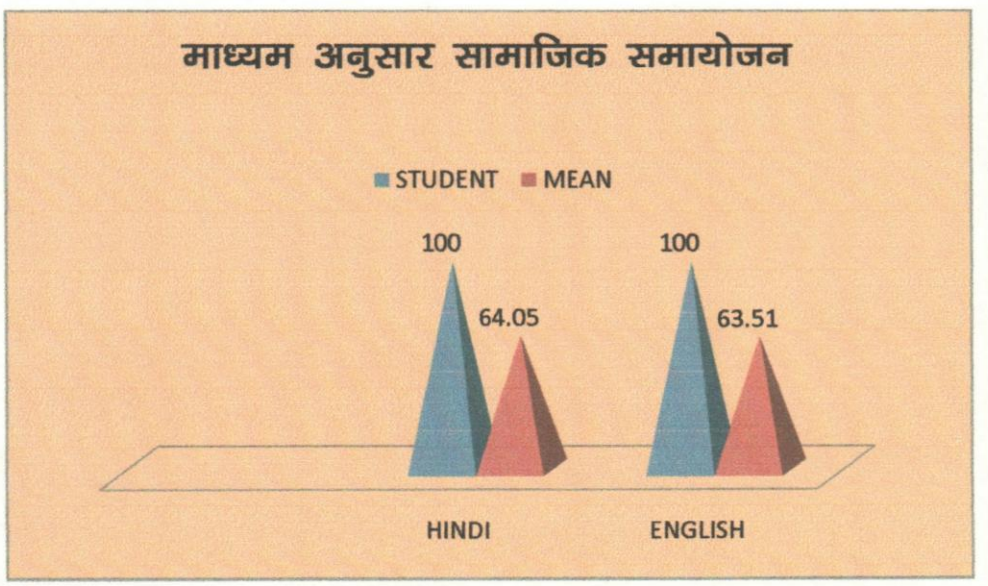

प्रस्तुत ग्रॉफ अनुसार दर्शाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100–100 एवं इन विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन का औसत मान क्रमशः 64.05 एवं 63.51 है।

तालिका क्रमांक –44

माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
हिन्दी माध्यम	100	64.05	17.02				सार्थक अन्तर है।
अंग्रेजी माध्यम	100	63.51	12.91	1.37	0.09	15.22	

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 15.22 प्राप्त हुआ है मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 15.22के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष–सारणी के मान से हम कह सकते है कि हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण –शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिल्पना को अस्वीकृत करते है।

प्रस्तुत शोध निष्कर्ष

1 प्रस्तुत शोध संख्यात्मक प्रकार का शोध है यह शोध एक व्यावहारिक शोध है। 2. प्रस्तुत शोध एक विवरणात्मक पद्धति को शोध है इस शोध में सर्वे अध्ययन विधि का उपयोग किया गया है।

2. प्रस्तुत शोध हेतु मानकीकृत सामाजिक समायोजन मापनी का उपयोग किया है। 3. प्रस्तुत शोध हेतु बैतूल जिले के 10 विद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से किया गया है। विद्यार्थियों का चयन लॉटरी विधि से किया गया है।

2 शोध हेतु 6 शासकीय एवं 4 अशासकीय विद्यालय को लिया गया है।

3 शोध हेतु कुल 200 विद्यार्थियों में से 126 बालक 63 प्रतिशत एवं 74 बालिकाएं 37 प्रतिशत हैं।

4 शोध हेतु कुल 5 विद्यालय हिन्दी माध्यम के एवं 5 विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के है।

5 शोध के अनुसार विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य -0.02 का सहसंबंध है

6 छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।

7. छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।

8. शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

9. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

10. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

11. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

12. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

13. अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

14. शोध के कुल विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

शोध में चरों के संबंध में का अन्तर -

1. छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

2. छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

3. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

5. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

6. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

7. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

8. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है।

प्रस्तुत शोध में पाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है साथ ही CBSE एवं MP Borad के विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भी सार्थक अन्तर पाया गया है।

प्रस्तुत शोध हेतु ज्ञात होता है कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने हेतु अनेक सामाजिक एवं मनौवैज्ञानिक कारण होते है परन्तु इस शोध में शैक्षिक उपलब्धि को विद्यालय के सामाजिक समायोजन से मापा गया है एवं इस अनुसार निष्कर्ष में पाया गया है कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के मध्य सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।